भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 852
बुधवार, 4 फरवरी 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा किसानों के लिए मौसम पूर्वानुमान डेटा

†852. श्री अनिल यशवंत देसाई:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) सभी राज्यों के किसानों को उनकी बुवाई के पैटर्न की योजना बनाने के लिए मौसम पूर्वानुमान डेटा प्रदान कर रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विभिन्न राज्यों के दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले किसानों तक पहुंचने के लिए आईएमडी द्वारा उपयोग किए जाने वाले नवीनतम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या आईएमडी के पास इस बारे में कोई प्रामाणिक डेटा है कि किसान ऐसी मौसम जानकारी के प्रति जागरूक है और क्या किसानों के पास मौसम की स्थिति के बारे में समय पर जानकारी प्राप्त करने के लिए ऐसे साधन आदि उपलब्ध हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या आईएमडी के पास कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित कोई डेटा या प्रणाली है जो इन आधुनिक सूचना उपकरणों तक किसानों की पहुंच और गरीब किसानों की मदद करने के बारे में हो और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं?

उत्तर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हाँ। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) सभी राज्यों के किसानों को मौसम का पूर्वानुमान प्रदान कर रहा है। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (GKMS) योजना के तहत, भारत मौसम विज्ञान विभाग अगले पाँच दिनों के लिए ज़िला और ब्लॉक स्तर पर बारिश, तापमान, सापेक्ष आर्द्रता, क्लाउड कवर, हवा की गति और हवा की दिशा का मध्यम-श्रेणी का मौसम पूर्वानुमान प्रदान करता है, साथ ही मौसम विज्ञान उप-मंडल स्तर पर अगले सप्ताह की बारिश और तापमान का पूर्वानुमान भी प्रदान करता है। इसके अलावा, प्रेक्षित मौसम की जानकारी और पूर्वानुमानों के आधार पर, देश के 127 कृषि-जलवायु क्षेत्रों में 130 कृषि मौसम क्षेत्र इकाइयाँ (AMFU) अपने-अपने ज़िलों के लिए प्रत्येक सप्ताह में दो बार (हर मंगलवार और शुक्रवार) अंग्रेज़ी और क्षेत्रीय भाषाओं में कृषि मौसम परामर्शिकाएँ तैयार करती हैं, और किसानों को दैनिक कृषि कार्यों के लिए सही निर्णय लेने में मदद करने के लिए उनसे संपर्क करती हैं। राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र (NWFC), नई दिल्ली, और IMD के प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र और राज्य स्तरीय मौसम विज्ञान केंद्र (MCs) द्वारा देश भर के अलग-अलग राज्यों और संघ राज्यों के विभिन्न जिलों के लिए जारी की गई गंभीर मौसम की चेतावनियों के आधार पर कृषि मौसम क्षेत्र इकाइयों द्वारा कृषि के लिए प्रभाव-आधारित पूर्वानुमान (IBFs) और उपयुक्त परामर्शिकाएं भी तैयार की जा रही हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के प्रादेशिक मौसम विज्ञान केन्द्र (RMCs) और मौसम विज्ञान केन्द्र (MCs) कृषि मौसम परामर्शिकाओं के साथ-साथ, प्रतिदिन मौसम का पूर्वानुमान और नाउकास्ट भी जारी करते हैं। देश भर के अलग-अलग राज्यों और संघ राज्यों के विभिन्न जिलों के लिए राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र (NWFC), नई दिल्ली, और IMD के प्रादेशिक मौसम केन्द्रों और मौसम केन्द्रों द्वारा जारी की गई खराब मौसम की चेतावनियों के आधार पर कृषि मौसम क्षेत्र इकाइयों द्वारा कृषि के लिए प्रभाव-आधारित पूर्वानुमान (IBFs) और उपयुक्त परामर्शिकाएँ भी तैयार की जा रही हैं।

(ख) से (घ) किसानों के मोबाइल फोन पर सीधे मौसम के अपडेट और शुरुआती चेतावनी देने के लिए, मौसम का पूर्वानुमान और एग्रोमेट एडवाइजरी रियल-टाइम तंत्र या मल्टीचैनल डिसेमिनेशन सिस्टम के माध्यम से, जिसमें प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दूरदर्शन, इंटरनेट और SMS शामिल हैं, सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP) पहल के तहत प्रसारित किए जाते हैं। सार्वजनिक निजी भागीदारी मोड के तहत, लगभग 6.16 मिलियन किसान मौसम के पूर्वानुमान, अलर्ट और कृषि मौसम परामर्शिकाओं से लाभ उठा रहे हैं। चक्रवात, गहरे अवदाब आदि जैसी खराब मौसम की घटनाओं के दौरान, किसान पोर्टल के ज़रिए SMS-आधारित अलर्ट और चेतावनियों के साथ-साथ उचित बचाव के उपाय भी भेजे जा रहे हैं। प्रौद्योगिकी में तरक्की ने पहुंच को और बेहतर बनाया है, जिससे किसान 'मेघदूत' और 'मौसम' जैसे मोबाइल ऐप और WhatsApp, Facebook जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज़रिए जगह के हिसाब से पूर्वानुमान और परामर्श पा रहे हैं। इसके अलावा, IMD ने अपनी सेवाओं को 21 राज्य सरकारों के IT प्लेटफॉर्म के साथ एकीकृत किया है, और लगभग 15.6 मिलियन किसान इन राज्य सरकार के IT प्लेटफॉर्म पर अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में जानकारी ले रहे हैं।

दूरदराज और संवेदनशील इलाकों में मौसम के अपडेट के स्थानीय संबंध और दूर-दराज तक पहुंचाना सुनिश्चित करने के लिए, IMD ने पंचायती राज मंत्रालय (MoPR) के साथ मिलकर हाल ही में पंचायत-स्तर के मौसम पूर्वानुमान लॉन्च किए हैं, जो भारत की लगभग सभी ग्राम पंचायतों को कवर करते हैं। ये पूर्वानुमान ई-ग्रामस्वराज (https://egramswaraj.gov.in), मेरी पंचायत ऐप, पंचायती राज मंत्रालय के ई-मानचित्र और IMD, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मौसमग्राम (https://mausamgram.imd.gov.in) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। ग्राम पंचायत स्तर मौसम पूर्वानुमान (GPLWF) का मुख्य लक्ष्य और उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर तक मौसम का पूर्वानुमान प्रदान करना है, जिसमें तापमान, बारिश, नमी, हवा और बादलों की स्थिति जैसे ज़रूरी पैरामीटर शामिल हैं - यह ज़रूरी डेटा किसानों को बुवाई, कटाई और सिंचाई के बारे में सूचना आधार पर सही निर्णय लेने में मदद करता है। यह प्लेटफॉर्म देश भर में पंचायत स्तर पर कभी भी और कहीं भी मौसम पूर्वानुमान की जानकारी उपलब्ध करा रहा है। यह मौसम की जानकारी कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधीन पशु सखियों और कृषि सखियों के ज़रिए ज़्यादा से ज़्यादा लोगों तक पहुँचती है।

*****